RNI No. : UPHIN/2017/74695

डाक पंजीकरण सं. :
एस.एस.पी./एल.डब्लू./एन.पी. - 558/2024-2026

स्टूडियो न्यूज

वर्ष : 8 अंक : 12 | लखनऊ, शुक्रवार, 6 जून 2025 से 5 जुलाई 2025 | पृष्ठ : 12 | मूल्य : 10 रूपये

SIGMA

CONTEMPORARY
16-300mm F3.5-6.7
DC OS

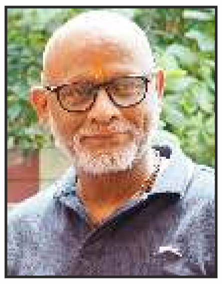

सम्पादक की कलम से ...

प्रिय फोटोग्राफर साथियों,

स्टूडियो न्यूज़ के जून 2025 अंक में आप सभी का हार्दिक स्वागत है। इस अंक में हम न केवल फोटोग्राफी की कला को छूने जा रहे हैं, बल्कि उसके तकनीकी पक्ष और व्यवसायिक समझ को भी विस्तार देंगे।

इस बार हम "कैमरा सेटिंग्स को समझना क्यों जरूरी है" इस विषय पर चर्चित फोटोग्राफर अभिनीत जी के साथ एक विशेष लेख साझा कर रहे हैं। अक्सर अनुभवी फोटोग्राफर यह सोचते हैं कि वर्षों के अनुभव के बाद अब कैमरा सेटिंग्स सीखने की ज़रूरत नहीं। लेकिन यह सोच हमें तकनीक से पीछे कर सकती है। आज की तेज़ी से बदलती तकनीकी दुनिया में, कैमरा कंपनियां हर नए मॉडल में अनेक नई-नई सेटिंग्स लेकर आ रही हैं जो की समय की मांग भी है। यदि हम इन तकनीकों को समय रहते नहीं अपनाएंगे, तो आने वाला भविष्य हमसे बहुत आगे निकल जाएगा।

वहीं वेडिंग फोटोग्राफरों के लिए, हमने बेंचमार्किंग विषय पर एक विशेष फीचर शामिल किया है - "सीखें, तुलना करें, सुधार करें"। आज के प्रतिस्पर्धा-भरे बाजार में केवल अच्छी तस्वीरें खींचना पर्याप्त नहीं है, व्यवसायिक दक्षता और इंडस्ट्री स्टैंडर्ड्स की समझ भी जरूरी है। यह लेख बताएगा कि कैसे बेंचमार्किंग आपको एक कदम आगे रख सकती है। यह विमल परमार जी का एक गहन और विचारोत्तेजक लेख है - जिसमें उन्होंने फोटोग्राफी को एक व्यवसाय के रूप में समझाया है। कला को समझना और कार्य करना एक बात है, लेकिन उससे आय अर्जित करना बिल्कुल अलग। यह लेख हर उस फोटोग्राफर के लिए अनिवार्य है, जो अपने हुनर से जीवनयापन भी करना चाहता है।

हमारे 'महान विभूतियां' कॉलम में इस बार अनिल जी के लेख के माध्यम से हम जानेंगे वॉकर इवांस (1903-1975) के बारे में। उन्होंने अमेरिका की महामंदी के दौर में जो तस्वीरें खींचीं, वह आज भी ऐतिहासिक धरोहर मानी जाती हैं। वॉकर इवांस की दृष्टि और संवेदनशीलता से हमें यह सीखने को मिलता है कि फोटोग्राफी केवल दृश्य नहीं, बल्कि एक दस्तावेज भी है। इस अंक से एक नई शुरूआत करते हुए हम "फोटोग्राफर की यात्रा" कॉलम की शुरूआत कर रहे हैं। इस बार मिथिलेश जी द्वारा केदारनाथ यात्रा को उनके लेंस की नजर से देखने का अवसर मिलेगा। यह प्रयास हमें नए स्थलों को देखने, समझने और अभिव्यक्त करने की प्रेरणा देगा।

अंत में, अंतर्राष्ट्रीय एवं राष्ट्रीय समाचार कॉलम के माध्यम से हम इमेजिंग इंडस्ट्री में आ रहे नए उत्पादों, ट्रेंड्स, तकनीकों और बाजार की झलक भी प्रस्तुत कर रहे हैं। आज के तकनीकी और प्रतिस्पर्धात्मक दौर में फोटोग्राफरों को केवल कला तक सीमित नहीं रहना चाहिए। नए कैमरा सेटिंग्स, व्यवसायिक रणनीतियाँ और वैश्विक ट्रेंड्स को समझना जरूरी है। सीखना बंद मत कीजिए, क्योंकि बदलाव ही सफलता की असली कुंजी है। तकनीक के साथ चलें, तभी भविष्य आपका होगा। आशा है यह अंक न केवल आपके ज्ञान को समृद्ध करेगा, बल्कि आपके कार्य को एक नई दिशा भी देगा। आपके सुझावों और प्रतिक्रियाओं का हमें सदैव इंतज़ार रहेगा। आइए, साथ मिलकर फोटोग्राफी को एक नई ऊँचाई पर पहुँचाएं।

आप और आपका परिवार सुखी एवं स्वस्थ रहे, ऐसी ईश्वर से कामना है। फोटोग्राफी से सम्बंधित किसी भी समस्या एवं जानकारी हेतु आप हमें 11 से 7 बजे तक इन दूरभाष 0522-4108575 / 0522-3654971 पर संपर्क कर सकते है।

सुरेंदर सिंह बिष्ट, सम्पादक

अन्तर्राष्ट्रीय और राष्ट्रीय खबरें

Microsoft Photos अब आपकी तस्वीरों की लाइट बदल सकता है

Microsoft ने घोषणा की है कि Windows 11 और Copilot+ कंप्यूटरों के लिए नए अनुभव आ रहे हैं, साथ ही AI पर आधारित नए Surface हार्डवेयर भी लॉन्च होंगे। सॉफ्टवेयर की बात करें तो, Microsoft Photos और Paint में अब नए AI फीचर्स जुड़ेंगे, जिनसे तस्वीरें एडिट करना और भी आसान और कमाल का हो जाएगा।

Leica SL3 का नया फर्मवेयर अपडेट ProRes रिज़ॉल्यूशन को तीन गुना बढ़ाता है, अब Cine 6K/4K सपोर्ट के साथ

Leica ने अपने SL3 और SL3-S कैमरों में वीडियो रिकॉर्डिंग के विकल्पों में बड़ा बदलाव किया। अब नए फर्मवेयर अपडेट के साथ, यूज़र्स CFexpress कार्ड का इस्तेमाल कर Cine 6K या Cine 4K में इंटरनल ProRes 422 HQ वीडियो रिकॉर्ड कर सकते हैं। पहले यह कैमरा ProRes में सिर्फ 1080p तक ही रिकॉर्डिंग कर सकता था।

इसके अलावा, कई अन्य स्मपबं कैमरों को भी छोटे फर्मवेयर अपडेट मिले हैं। Nikon Z30 और Hasselblad X2D 100C में भी कुछ मामूली सुधार किए गए हैं। साथ ही, TTArtisan और Viltrox के चुनिंदा लेंसों के लिए भी नया फर्मवेयर जारी किया गया है।

DJI का नया Mavic 4 Pro ड्रोन 100MP कैमरा और बेहतर गिंबल के साथ पेश

DJI ने अपने प्रो-यूज़र्स के लिए नया Mavic 4 Pro ड्रोन लॉन्च किया है, जो Mavic 3 Pro का अगला वर्ज़न है। इसमें एक 100 मेगापिक्सल का मेन कैमरा दिया गया है, और इसके साथ नया डिज़ाइन किया गया "Infinity Gimbal" भी है, जो 360 डिग्री तक घूम सकता है और 70 डिग्री ऊपर की तरफ झुक सकता है। इसके अलावा, यह ड्रोन पहले से बेहतर बैटरी लाइफ देता है और इसमें नया प्रो-ग्रेड रिमोट और बेहतर ट्रांसमिशन सिस्टम भी शामिल है।

Panasonic ने Lumix कैमरों के लिए नया फास्ट जूम लेंस लॉन्च किया

Panasonic ने अपने LUMIX लेंस लाइनअप को विस्तार देते हुए LUMIX S 24-60mm F2.8 (S-E2460) लेंस पेश किया है। यह नया बड़ा अपर्चर वाला स्टैंडर्ड जूम लेंस है, जिसे L-Mount सिस्टम के तहत

बनाया गया है। इस लेंस की खासियत है कि इसकी पूरी जूम रेंज में F2.8 का वाइड अपर्चर मिलता है। इसका कॉम्पैक्ट और हल्का डिज़ाइन इसे काफी पोर्टेबल बनाता है। 24mm वाइड-एंगल पर यह डायनामिक लैंडस्केप और आर्किटेक्चर फोटोग्राफी के लिए बढ़िया है, जबकि 60mm पर यह बेहतरीन बोकेह वाले पोर्ट्रेट कैप्चर करने में मदद करता है।

Voigtländer का नया लेंस बोके़ (Bokeh) लुक को मनचाहे तरीके से कंट्रोल करने देता है

Cosina Voigtländer ने एक नया अनोखा लेंस लॉन्च किया है - Portrait Heliar 75mm F1.8, जो फोटोग्राफर्स को उनकी इमेज में और ज्यादा कंट्रोल देता है। यह कंपनी का पहला ऐसा लेंस है जिसमें spherical aberration को मैन्युअली एडजस्ट किया जा सकता है, जिससे आप बोके़ (background blur) का लुक अपने अनुसार बदल सकते हैं। यह लेंस फुल-फ्रेम Sony E-mount कैमरों के लिए डिज़ाइन किया गया है। Voigtländer की पहचान के अनुसार, यह मैन्युअल फोकस के साथ आता है और इसमें अपर्चर कंट्रोल रिंग भी मौजूद है।

Ricoh GR IV कैमरा इस साल के अंत तक लॉन्च होगा, नए लेंस और सेंसर के साथ

Ricoh ने अपने लोकप्रिय फिक्स्ड लेंस कॉम्पैक्ट कैमरा सीरीज़ का अगला मॉडल, GR IV, डेवलप कर रहा है। कंपनी के अनुसार, इसमें नया लेंस, नया सेंसर, और नया प्रोसेसर शामिल होगा। GR IV में 25.74 मेगापिक्सल का नया सेंसर होगा। इसके साथ ही एक HDF वर्ज़न भी आएगा, जिसमें इनबिल्ट Highlight Diffusion Filter (HDF) होगा, जिससे हाइलाइट्स सॉफ्ट और सिनेमैटिक नज़र आएंगे। Ricoh के GR सिरीज़ कैमरे हमेशा से स्ट्रीट फोटोग्राफरों के बीच लोकप्रिय रहे हैं, और यह नया वर्ज़न भी उसी परंपरा को आगे बढ़ाएगा।

7artisans का नया लेंस Sony E-mount के लिए तेज़ और वाइड विकल्प

7artisans ने अपना नया AF 24mm F1.8 फुल-फ्रेम लेंस Sony E-mount कैमरों के लिए लॉन्च कर दिया है। यह लेंस फास्ट अपर्चर और वाइड एंगल के साथ आता है, जिससे यह लैंडस्केप, एस्ट्रो फोटोग्राफी और एनवायरनमेंटल पोर्ट्रेट्स के लिए एक ऑल-राउंडर विकल्प बन जाता है। कंपनी इसे एक ऐसा लेंस बता रही है जो कई तरह की फोटोग्राफी ज़रूरतों को पूरा कर सकता है, खासकर उन लोगों के लिए जो हल्का और वर्सेटाइल गियर चाहते हैं।

Google Photos मना रहा है अपना 10वां जन्मदिन, नए फीचर्स के साथ

इस हफ्ते Google Photos को 10 साल पूरे हो गए हैं - एक ऐसा टूल जिसे लाखों फोटोग्राफर्स और यूज़र्स इस्तेमाल करते हैं। 2015 में लॉन्च होने पर Google ने इसे एक "स्टैंडअलोन प्रोडक्ट" बताया था जो आपकी सभी फोटोज़ और वीडियो के लिए एक सुरक्षित जगह देता है, उन्हें ऑर्गेनाइज़ करता है, यादों को जीवंत बनाता है, और आपको जरूरी चीज़ें सेव व शेयर करने की सुविधा देता है। इस खास मौके पर Google Photos में नए फीचर्स भी जोड़े गए हैं, ताकि यूज़र्स को और बेहतर अनुभव मिल सके।

Photoshop मोबाइल अब Android पर भी उपलब्ध, बीटा में सभी फीचर्स मुफ्त

Adobe ने घोषणा की है कि उसका लोकप्रिय Photoshop मोबाइल ऐप अब Android फोन पर भी आ रहा है। पहले यह सिर्फ iPhone (iOS) यूज़र्स के लिए उपलब्ध था, लेकिन अब Android यूज़र्स भी इसका फायदा उठा सकते हैं। यह नया ऐप पहले से मौजूद Photoshop Express से कहीं ज़्यादा पावरफुल टूल्स प्रदान करता है। अभी यह बीटा वर्ज़न में है, लेकिन खास बात यह है कि बीटा फेज़ में सभी फीचर्स पूरी तरह से मुफ्त उपलब्ध हैं।

Wacom ने क्रिएटिव लोगों के लिए अपग्रेडेड Cintiq पेन डिस्प्ले लॉन्च किए

Wacom ने अपने Cintiq लाइनअप के नए वर्जन पेश किए हैं, जिनमें पतला डिज़ाइन, बेहतर डिस्प्ले और लचीला सेटअप दिया गया है। Wacom ने अपने नए पेन डिस्प्ले की घोषणा की है, जिसमें तीन मॉडल शामिल हैं - Cintiq 16, Cintiq 24 और Cintiq 24 टच। कंपनी के Intuos लाइनअप से अलग, Cintiq सीरीज़ में डिस्प्ले लगे होते हैं, जिससे ये मॉनिटर और टच-सेंसिटिव डिवाइस की तरह काम करते हैं। नए Cintiq मॉडल में थोड़े बड़े डिस्प्ले के साथ-साथ पतला डिज़ाइन और हर तरफ मामूली अपग्रेड दिए गए हैं।

STUDIO NEWS
लखनऊ, शुक्रवार, 6 जून 2025 से 5 जुलाई 2025

अगर आप फोटोग्राफ के जरिये सड़क की महक को महसूस कर सकते हैं तो यह स्ट्रीट फोटोग्राफी है। - ब्रूस गिल्डेन

Canon
Delighting You Always

सिनेमा-ग्रेड कैमरा

केवल क्रिएटर्स के लिए

Canon EOS R50V सिर्फ एक कैमरा नहीं है – ये एक पावरफुल टूल है, खास तौर पर क्रिएटर्स के लिए बनाया गया है। यह कंटेंट बनाने वालों, कहानी सुनाने वालों और विज़ुअल आर्टिस्ट्स के लिए डिज़ाइन किया गया है। इसका कॉम्पैक्ट साइज होने के बावजूद ये प्रोफेशनल क्वालिटी की वीडियो देता है। चाहे आप चलते-फिरते शूट कर रहे हों या कोई पूरा प्रोडक्शन सेटअप बना रहे हों, R50V आपको सिनेमा जैसा कंट्रोल और क्रिएटिव फ्रीडम देता है।

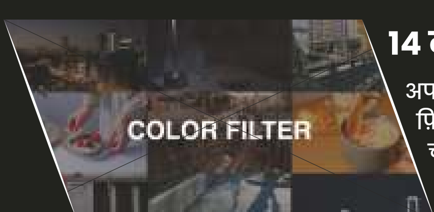

14 कलर फ़िल्टर्स

अपने स्टाइल को दिखाइए 14 इनबिल्ट क्रिएटिव फ़िल्टर्स के साथ। चाहे आपको गहरे और भावुक रंग चाहिए या चमकदार और जिंदादिल शेड्स, इन फ़िल्टर्स से आप बिना किसी LUTS या प्रीसेट के तुरंत अपना विज़ुअल टोन सेट कर सकते हैं।

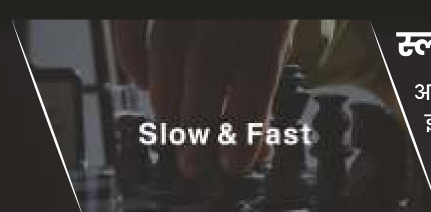

स्लो-मो और फास्ट-मो

अब अपनी कहानी की रफ्तार आप तय कीजिए – इनबिल्ट स्लो मोशन और फास्ट मोशन कंट्रोल्स के साथ। इमोशंस को उभारना हो या एनर्जी भरनी हो – फ्रेम दर फ्रेम टेम्पो बदलना अब आसान है।

स्मूद मूवी-AF

अब फोकस वहीं रहेगा जहां ज़रूरी है। स्मूद मूवी ऑटोफोकस आपके सब्जेक्ट को क्लियर और शार्प बनाए रखता है, चाहे मूवमेंट हो रहा हो, फिर भी हर फ्रेम एकदम स्थिर और साफ़ दिखेगा।

कैनन लॉग 3

पोस्ट-प्रोडक्शन में पाएं ज़्यादा क्रिएटिव आज़ादी। Canon Log 3 के साथ आपको वाइड डायनामिक रेंज, बेहतरीन हाईलाइट डिटेल और प्रोफेशनल कलर ग्रेडिंग की सुविधा।

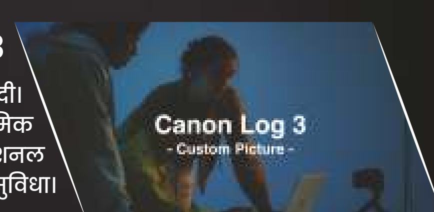

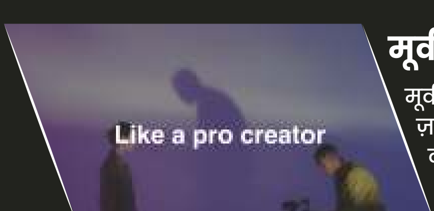

मूवी मोड डायल

मूवी मोड डायल से क्रिएटर्स को शूटिंग स्टाइल और ज़रूरी सेटिंग्स तक सीधा एक्सेस मिलता है, जिससे वो हर पल को तुरंत कैप्चर कर सकें।

रिच टोन 4:2:2 10-बिट

हर रंग को गहराई, सूक्ष्मता और परफेक्शन के साथ कैप्चर करें। EOS R50V 4:2:2 10-बिट में रिकॉर्ड कर सकता है, जिससे ग्रेडिएंट स्मूद होते हैं, एडिटिंग साफ होती है और हर वीडियो आपके विज़न को खूबसूरती से दर्शाता है।

मल्टी-कैम लाइव स्ट्रीमिंग

अपने सेटअप को एक लाइव स्टूडियो में बदल दीजिए। मल्टी-कैम लाइव स्ट्रीमिंग की मदद से आप आसानी से कैमरा एंगल और डिवाइस स्विच कर सकते हैं – और रियल टाइम में ब्रॉडकास्ट-क्वालिटी कंटेंट बना सकते हैं।

एक्सक्लूसिव लेंस किट

हर मास्टरपीस की शुरुआत एक सही लेंस से होती है। EOS R50V एक ख़ास लेंस किट के साथ आता है, जो पावर ज़ूम की सुविधा देता है, इससे परफॉर्मेंस और बेहतर बनाता है – हर फ्रेम में शार्पनेस, फ्लेक्सिबिलिटी और क्रिएटिव कंट्रोल के साथ।

अधिक जानकारी के लिए in.canon पर जाएं।

अनिल रिसाल सिंह की 'रेजीडेंसी लखनऊ' थीम पर आधारित एकल छायाचित्र प्रदर्शनी

लखनऊ, 1 जून। वरिष्ठ छायाकार अनिल रिसाल सिंह की एकल छायाचित्र प्रदर्शनी 'रेजीडेंसी लखनऊ' का शुभारंभ राजधानी के सेंट्रम होटल में भव्य रूप से हुआ। यह प्रदर्शनी 1 जून से 15 जून 2025 तक आमजन के लिए खुली रहेगी। ऐतिहासिक स्थलों को अपनी कलात्मक दृष्टि से नया जीवन देने वाले अनिल जी की यह प्रदर्शनी लखनऊ रेजीडेंसी की विरासत को एक नई दृष्टि से देखने का अवसर प्रदान करती है।

प्रदर्शनी का विधिवत उद्घाटन उत्तर प्रदेश के उपमुख्यमंत्री माननीय श्री बृजेश पाठक द्वारा दीप प्रज्वलित कर किया गया। इस अवसर पर गेस्ट ऑफ ऑनर श्री नीलाब्ज चौधरी (IPS), अपर पुलिस महानिदेशक, उत्तर प्रदेश, तथा शहर की कला, प्रशासन व फोटोग्राफी जगत की कई प्रतिष्ठित हस्तियाँ उपस्थित रहीं।

प्रदर्शनी का आयोजन Synapse International Art Gallery द्वारा किया गया, जिसमें गैलरी के संस्थापक व निदेशक राकेश कुमार मौर्य का महत्वपूर्ण योगदान रहा।

रेजीडेंसी से संवाद करता है अनिल जी का कैमरा। लखनऊ के ऐतिहासिक स्थल सदैव से ही छायाकारों के लिए प्रेरणा स्रोत रहे हैं। अनिल रिसाल सिंह ने वर्षों तक लखनऊ रेजीडेंसी को केंद्र में रखकर अपनी कलात्मक साधना की है। इस प्रदर्शनी में उनकी अंतरदृष्टि और ऐतिहासिक खंडहरों से संवाद करते चित्रों ने दर्शकों को विशेष रूप से प्रभावित किया।

अनिल जी का मानना है कि जब तक वे कैमरा थामे रहेंगे, रेजीडेंसी उन्हें सृजनात्मक ऊर्जा देती रहेगी। यह कथन प्रदर्शित चित्रों को देखकर पूर्णतः सत्य प्रतीत होता है। वे खंडहरों के भीतर छिपी हुई कहानियों को जिस संवेदनशीलता और सौंदर्य के साथ उजागर करते हैं, वह वास्तव में चकित करने वाला है।

उपमुख्यमंत्री श्री बृजेश पाठक ने प्रदर्शनी में प्रदर्शित छवियों की सराहना करते हुए फोटोग्राफी से जुड़े अपने अनुभव साझा किए। प्रदर्शनी के दौरान दर्शनीय स्थलों पर कैमरा प्रतिबंध जैसे विषय उनके संज्ञान में लाए गए, जिस पर उन्होंने सहानुभूतिपूर्वक पुनर्विचार का आश्वासन दिया।

फोटोग्राफी को बढ़ावा देने हेतु उत्तर प्रदेश प्रशासन के सांस्कृतिक विभाग को संग्रहालयों, आर्काइव्स तथा वरिष्ठ छायाकारों की रिट्रॉस्पेक्टिव प्रदर्शनी पर गंभीरतापूर्वक विचार करना चाहिए। अनिल रिसाल सिंह जैसे समर्पित कलाकारों के कार्यों को संरक्षित करना समय की आवश्यकता है, ताकि प्रदेश की छायाचित्र परंपरा भविष्य में भी समृद्ध होती रहे।

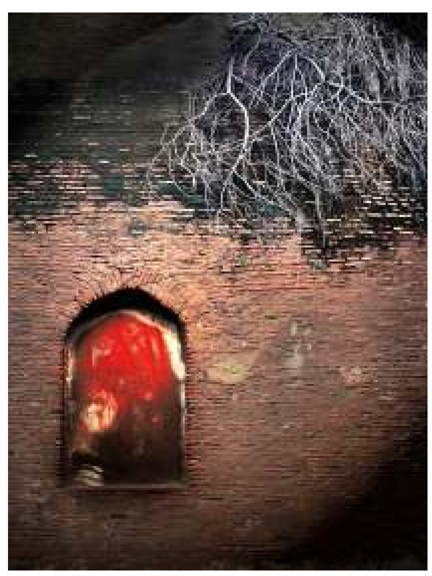

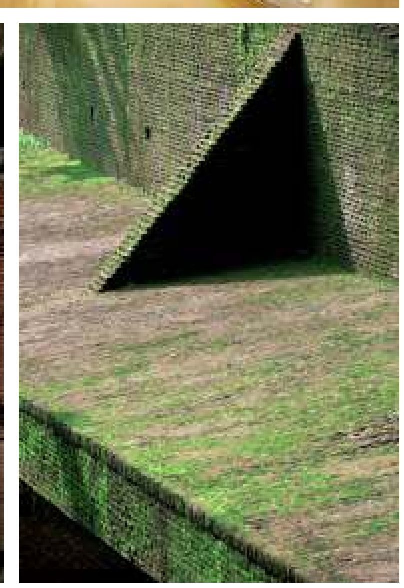

STUDIO NEWS
लखनऊ, शुक्रवार, 6 जून 2025 से 5 जुलाई 2025

फोटोग्राफ में एक चीज जरूर होनी चाहिए और वह है उस लम्हे की मानवता - राबर्ट फ्रैंक

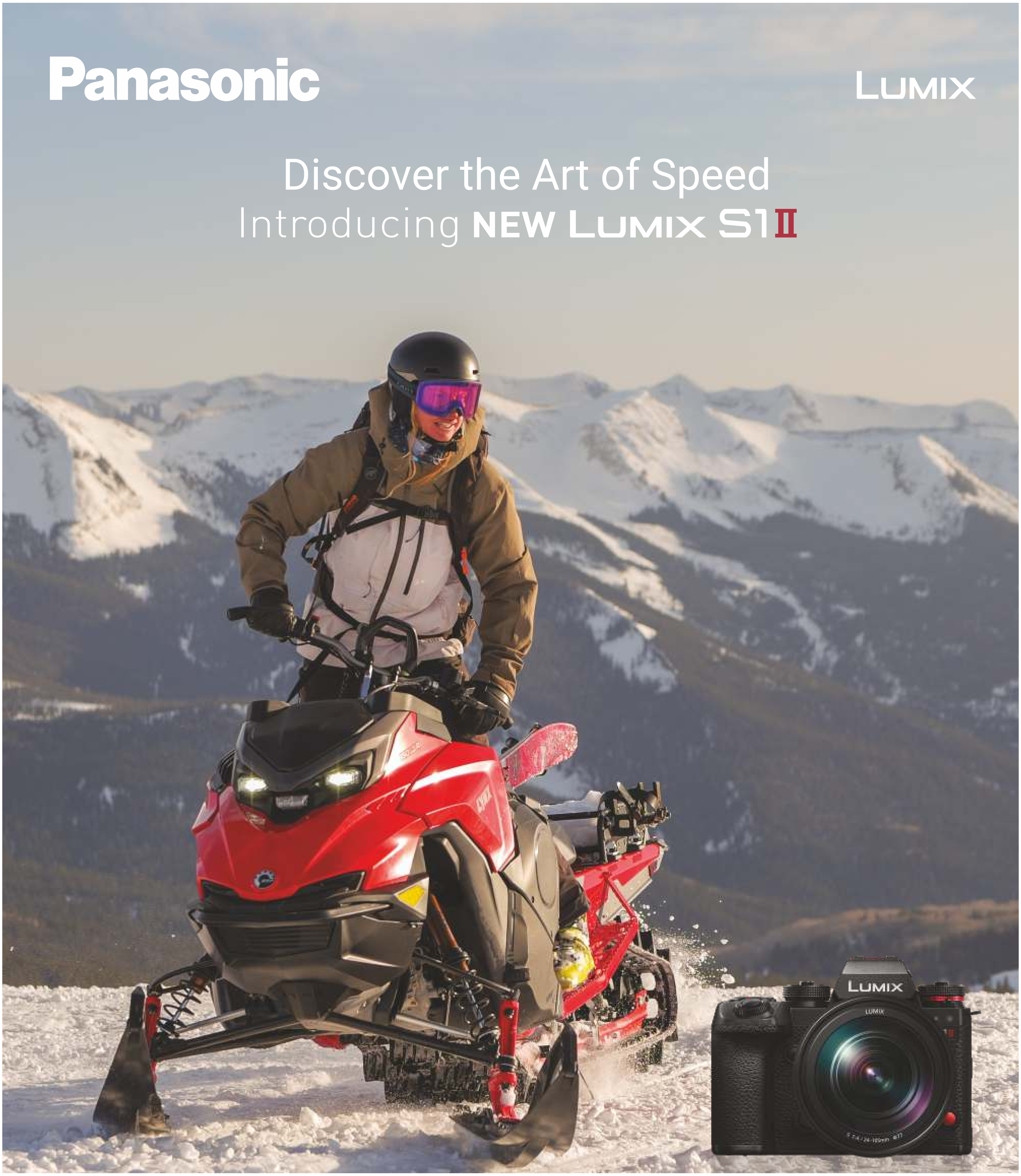

महान विभूतियाँ

वॉकर इवांस

(1903-1975)

वॉकर इवांस

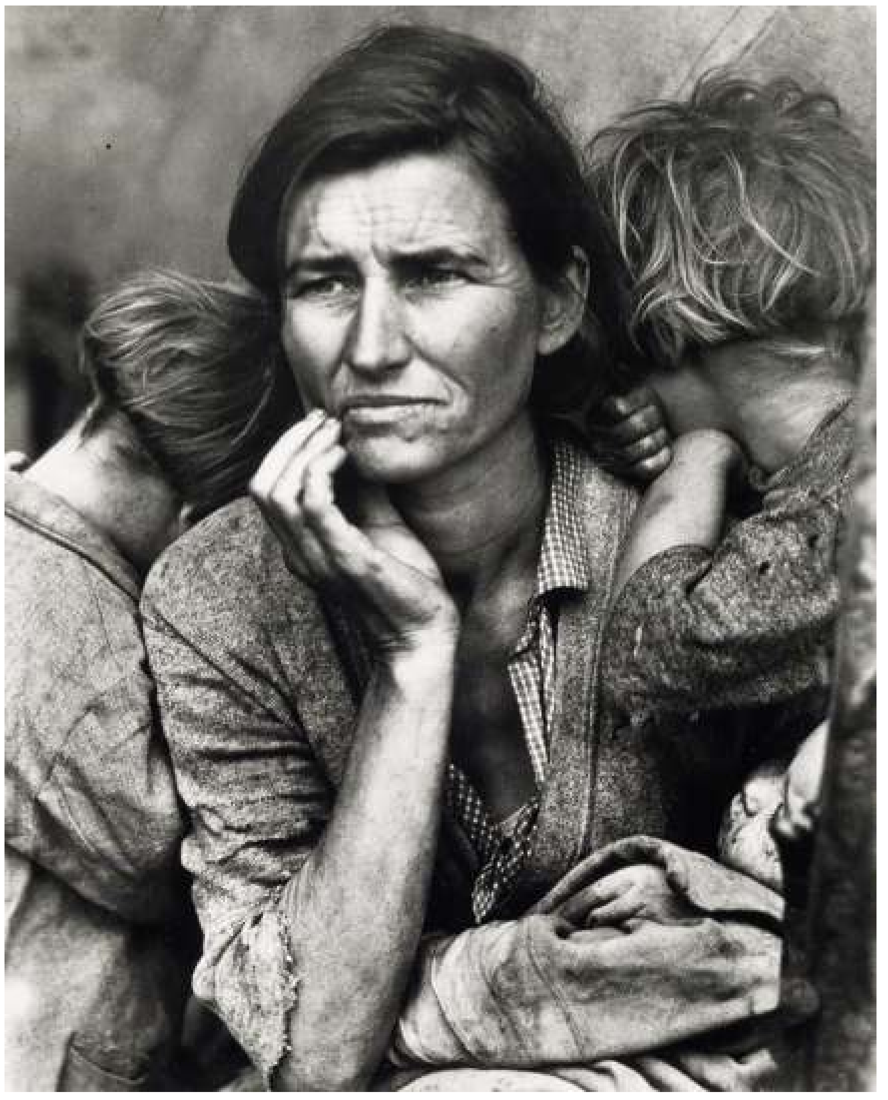

फोटोग्राफर वॉकर इवांस ने अमेरिका के सामाजिक, सांस्कृतिक और कला के इतिहास में अपनी एक खास जगह बनाई थी। उन्होंने महामंदी (Great Depression) के दौर की कुछ ऐसी तस्वीरें खींचीं, जो आज भी लोगों को याद हैं।

वॉकर इवांस का जन्म मिसौरी राज्य के सेंट लुइस शहर में एक अमीर परिवार में हुआ था। उनके माता-पिता का नाम जेसी और वॉकर था। उनके पिता एक विज्ञापन एजेंसी में काम करते थे। उनका बचपन टोलीडो, शिकागो और न्यूयॉर्क शहर में बीता। 1922 में उन्होंने मैसाचुसेट्स के एंडोवर में स्थित फिलिप्स एकेडमी से पढ़ाई पूरी की। इसके बाद वे विलियम्स कॉलेज गए, जहाँ उन्होंने एक साल तक फ्रेंच साहित्य की पढ़ाई की। वे ज़्यादातर समय लाइब्रेरी में बिताते थे, लेकिन फिर उन्होंने कॉलेज छोड़ दिया।

वॉकर इवांस बीसवीं सदी के सबसे प्रभावशाली कलाकारों में से एक माने जाते हैं। उनकी साफ़-सुथरी, खूबसूरती से खींची गई तस्वीरें और स्पष्ट लेखन ने कई पीढ़ियों के कलाकारों को प्रेरित किया है। अमेरिकी फोटोग्राफी में डॉक्यूमेंट्री परंपरा की नींव रखने वाले वॉकर इवांस में यह अनोखी क्षमता थी कि वे वर्तमान को ऐसे देख सकते थे जैसे वह पहले ही इतिहास बन चुका हो और उस नज़रिए को वे अपनी कला में बदल देते थे, जो समय की कसौटी पर खरा उतरता था। उनका मुख्य विषय था "लोक जीवन" यानी आम लोगों के साधारण जीवन की झलकियाँ, जो सड़कों किनारे के ठेले, सस्ते कैफ़े, विज्ञापन, छोटे बेडरूम और छोटे कस्बों की मुख्य सड़कों में दिखती हैं। लगभग पचास वर्षों तक (1920 के आख़िरी दौर से लेकर 1970 के शुरूआती वर्षों तक) उन्होंने अमेरिका को अपनी कैमरे की नज़र से दस्तावेज़ की तरह रिकॉर्ड किया, एक कवि की गहराई और एक सर्जन की बारीकी के साथ। उन्होंने आधुनिक अमेरिका के निर्माण की एक दृश्य एन्साइक्लोपीडिया तैयार की, जो आज भी ऐतिहासिक महत्व रखती है।

वॉकर इवांस एक अमेरिकी फोटोग्राफर थे, जो महामंदी के दौर की तस्वीरों के लिए खास तौर पर जाने जाते हैं। उन्होंने यह काम फार्म सिक्योरिटी एडमिनिस्ट्रेशन (FSA) के लिए किया था। इस दौरान उन्होंने लॉर्ज फॉर्मेट कैमरा (8 ×10 इंच) के कैमरा का खूब इस्तेमाल किया, जिससे उनकी तस्वीरों में गहराई और विस्तार साफ़ नज़र आता है। एक फोटोग्राफर के रूप में उनका सपना था ऐसी तस्वीरें बनाना जो **"शिक्षित, प्रभावशाली और आत्मिक"** हों। उनकी कई फोटोग्राफ्स आज दुनिया के मशहूर म्यूज़ियम्स की स्थायी संग्रह में शामिल हैं। उनके काम की प्रदर्शनी मेट्रोपॉलिटन म्यूज़ियम ऑफ आर्ट और जॉर्ज ईस्टमैन हाउस जैसे प्रमुख संस्थानों में भी लग चुकी है।

1926 में एक साल पेरिस में बिताने के बाद, वॉकर इवांस अमेरिका लौटे और न्यूयॉर्क सिटी में उस समय के नये विचारों वाले साहित्य और कला जगत से जुड़ गए। 1927 से 1929 तक उन्होंने वॉल स्ट्रीट की एक स्टॉकब्रोकिंग फर्म में क्लर्क के रूप में काम किया। इसी दौरान, 1928 में, जब वे ऑसिनिंग, न्यूयॉर्क में रह रहे थे, उन्होंने फोटोग्राफी करना शुरू किया। 1930 में, उनकी ब्रुकलिन ब्रिज की तीन तस्वीरें हार्ट क्रेन की कविता पुस्तक The Bridge में प्रकाशित हुईं। 1931 में, लिंकन किर्स्टीन ने उन्हें बोस्टन क्षेत्र के विक्टोरियन घरों पर आधारित एक फोटो सीरीज़ बनाने में आर्थिक सहायता दी। 1933 में, वॉकर इवांस ने क्यूबा में तानाशाह गेरार्डो मचाडो के ख़िलाफ़ हो रहे विद्रोह की तस्वीरें लीं। ये तस्वीरें लेखक कार्लटन बील्स की आने वाली किताब The Crime of Cuba के लिए थीं। क्यूबा में रहते हुए, इवांस की लेखक अर्नेस्ट हेमिंग्वे से एक छोटी मुलाकात भी हुई।

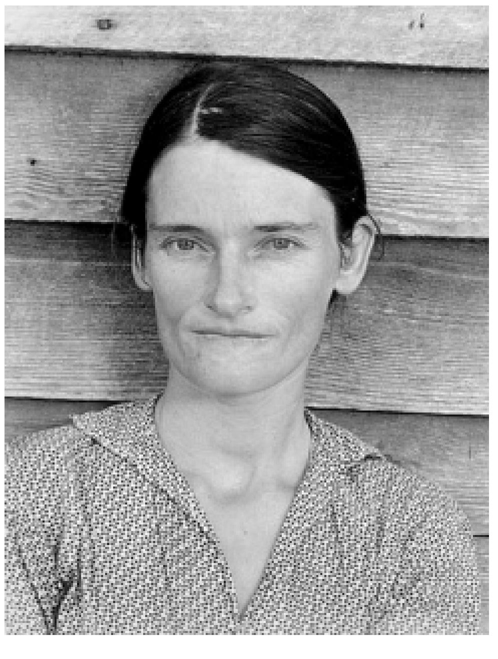

STUDIO NEWS
लखनऊ, शुक्रवार, 6 जून 2025 से 5 जुलाई 2025

फोटोग्राफी कोई खेल नहीं जिसमें नियम हो। तरीका चाहे जो हो लेकिन यहाँ मायने केवल नतीजे रखते हैं। -बिल ब्रांडेट

वॉकर इवांस 1938 तक फार्म सिक्योरिटी एडमिनिस्ट्रेशन (FSA) से जुड़े रहे। उसी वर्ष, न्यूयॉर्क के म्यूज़ियम ऑफ मॉडर्न आर्ट (MoMA) में उनकी एक खास प्रदर्शनी "Walker Evans : American Photographs" आयोजित की गई। यह म्यूज़ियम की पहली ऐसी प्रदर्शनी थी जो पूरी तरह एक अकेले फोटोग्राफर के काम पर केंद्रित थी। इसी साल, इवांस ने पहली बार न्यूयॉर्क की सबवे ट्रेन में छुपे हुए कैमरे (जो उन्होंने अपने कोट में छिपा रखा था) से तस्वीरें खींचना शुरू किया। इन सबवे यात्रियों की तस्वीरों को बाद में 1966 में प्रकाशित किताब Many are Called में इकट्ठा किया गया। 1938 और 1939 में उन्होंने प्रसिद्ध फोटोग्राफर हेलेन लेविट के साथ काम किया और उन्हें मार्गदर्शन भी दिया। वॉकर इवांस, हेनरी कार्तिए-ब्रेसों जैसे अन्य प्रसिद्ध फोटोग्राफरों की तरह, डार्करूम में ज्यादा समय नहीं बिताते थे। वे अपनी तस्वीरों की प्रिंटिंग आमतौर पर किसी और के ज़रिए करवाते थे, और केवल हल्का-सा निर्देशन देते थे, कई बार तो केवल नेगेटिव्स पर हाथ से लिखे हुए निर्देश चिपका देते थे।

वॉकर इवांस एक गंभीर पाठक और अच्छे लेखक भी थे। उन्होंने 1945 में टाइम मैगज़ीन की टीम में शामिल होकर लेखन की दुनिया में कदम रखा। इसके बाद वे फॉर्च्यून मैगज़ीन में संपादक के रूप में 1965 तक काम करते रहे। उसी साल, वे येल यूनिवर्सिटी के स्कूल ऑफ आर्ट में फोटोग्राफी के प्रोफ़ेसर बन गए। इवांस ने ब्राउन ब्रदर्स हैरिमन बैंक के कार्यालयों और भागीदारों की ब्लैक एंड वाइट फोटोग्राफ्स की एक विशेष पोर्टफोलियो तैयार की, जिसे 1968 में प्रकाशित किताब Partners in Banking में शामिल किया गया। यह किताब बैंक की 150वीं वर्षगांठ के अवसर पर प्रकाशित हुई थी। जब उम्र और खराब स्वास्थ्य के कारण भारी कैमरे से काम करना मुश्किल हो गया, तब उन्होंने 1973 और 1974 में Polaroid SX-70 कैमरे से एक लंबी फोटो सीरीज़ बनाई। यह कैमरा उस समय नया और आसान उपयोग वाला था। 1971 में, म्यूज़ियम ऑफ मॉडर्न आर्ट (MoMA) ने एक और प्रदर्शनी आयोजित की, जिसका नाम था बस "Walker Evans", यह उनकी उपलब्धियों को एक बार फिर सम्मान देने का प्रतीक थी।

वॉकर इवांस का निधन 1975 में हुआ, जब वे लाइम, कनेक्टिकट स्थित अपने घर में थे। 1994 में, वॉकर इवांस की संपत्ति (Estate of Walker Evans) ने उनके सभी कला-संग्रह को न्यूयॉर्क सिटी के मेट्रोपॉलिटन म्यूज़ियम ऑफ आर्ट को दान कर दिया। अब यह म्यूज़ियम ही वॉकर इवांस की सभी कलाकृतियों, किसी भी माध्यम में, का एकमात्र स्वामी है। सिर्फ एक अपवाद है - लगभग 1,000 नेगेटिव्स का एक संग्रह, जो उन्होंने Resettlement Administration के लिए बनाया था। ये नेगेटिव्स Library of Congress में संरक्षित हैं। 2000 में, वॉकर इवांस को उनके योगदान के सम्मान में सेंट लुइस वॉक ऑफ फेम में शामिल किया गया।

अनिल रिसाल सिंह
MFIAP (France), ARPS (Great Britain), Hon.FIP (India), Hon.LCC (India), FFIP (India), AIIPC (India), Hon.FSoF (India), Hon.FPAC (India), Hon.TPAS (India), Hon.FSAP (India), Hon.FICS (USA), Hon.PSGSPC (Cyprus), Hon.FPSNJ (America), Hon. Master-TPAS (India), Hon. Master-SAP (India), Hon.FWPAI (India), Hon.FGGC (India), Hon.GA-PSGSPC (Cyprus)
पूर्व अध्यक्ष, फेडरेशन ऑफ इण्डियन फोटोग्राफी

कैमरा सेटिंग्स

अभिनीत मोहन सेठ
चाइल्ड फोटोग्राफर

हेलो दोस्तों उम्मीद है आप सब अच्छे होंगे। पिछली बार हम लोगों ने कैमरे में शार्पनेस के इम्पोर्टेंस को समझा था। आइये एक क्विक रिकैप लेते हैं। फोटोग्राफी में शार्पनेस काफी इम्पोर्टेन्ट रोले प्ले करती है, क्यूंकि एक शार्प इमेज ही सब्जेक्ट्स की डिटेल्स को क्लियरली दिखाती है और फोटो का इम्पैक्ट बदलती है। शार्पनेस का मतलब होता है कि इमेज में सब्जेक्ट के एजेज क्लियर हो, डिटेल्स क्रिस्प हो और ब्लर्र या सॉफ्टनेस न हो। शार्पनेस एक बहुत इम्पोर्टेन्ट पार्ट है, किसी भी फोटोग्राफी सेशन का। अगर आपकी फोटो शार्प नहीं हुई तो उसमे फील तो बिलकुल आ ही नहीं सकता। जो इमेज शार्प नहीं होती उसे देखने में कोई मजा नहीं आता। ब्लर्र फोटोज आखिर किस काम की ही होती है। आइये हम लोग आज अपने अगले टॉपिक कैमरा सेटिंग्स के बारे में समझते हैं। हर कैमरे को ऑपरेट करने के लिए एक सेटिंग होती है।

आज हम लोग कैमरे कुछ बसिक सेटिंग्स के बारे में समझने की कोशिश करेंगे।

Aperture - जैसा कि हम सबलोग जानते हैं कि अपर्चर का रोल किसी भी फोटोग्राफी में डेप्थ देने का होता हैं। अब अगर आपको किसी फोटो में ज्यादा डेप्थ ऑफ़ फील्ड चाहिए तो आपकी अपर्चर की सेटिंग यानि की ऍफ़ न० ज्यादा होगी मतलब की ऍफ़ f/8- f/16 तक और अगर आपको डेप्थ ऑफ़ फील्ड काम चाहिए तो अपर्चर की सेटिंग्स f/1.8- f/5.6 के बीच होगी। अब जैसी लाइट की जरूरत होगी वैसी ही अपर्चर की सेटिंग भी कम ज्यादा होगी।

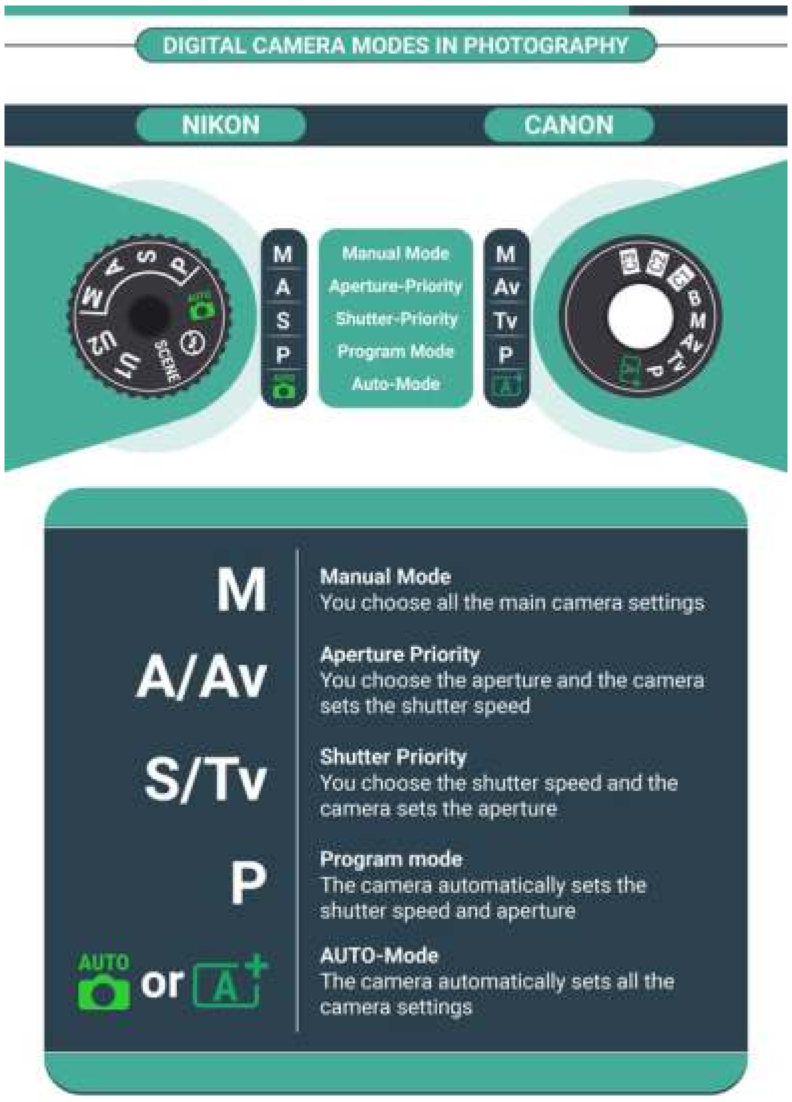

Shutter - शटर स्पीड का काम होता है आपकी फोटो में अगर किसी भी तरह का मूवमेंट है तो उसको फ्रीज़ करना या फिर ब्लर्र करना। ये सब डिपेंड करता है कि आपके सीन की रिक्वायरमेंट कितनी है। शटर की स्पीड 30 सेकेण्ड से लेकर 4000 सेकेण्ड तक बदली जा सकती हैं और इस्तेमाल की जा सकती है।

ISO - आईएसओ का इस्तेमाल ज्यादातर लो लाइट कंडीशन में ही किया जाता है। सनलाइट या डे लाइट में आईएसओ न के बराबर इस्तेमाल होती है। ISO की शुरूआत 100 से लेकर 6400 और किसी-किसी में 8000 तक जाती है।

Camera Mode - कैमरे में कई तरह के मोड्स होते हैं जिनका इस्तेमाल आप फोटोज क्लिक करने के लिए करते हैं।

Manual Mode - इसमें कैमरा पूरी तरह से मैनुअली ऑपरेट होता है। सारी सेटिंग्स आपको खुद ही डिसाइड करनी होती हैं।

Auto Mode - इसमें कैमरा अपने आप ही सारी सेटिंग्स खुद ही चेंज और एडजस्ट कर लेता है।

Aperture Mode - इस मोड में आप अपने डेप्थ की हिसाब से अपर्चर सेट करते हैं और बाकी सेटिंग्स कैमरा खुद ही सेट कर लेता है।

Shutter Mode - इस मोड में आप अपने जरूरत के हिसाब से शटर सेट करते हैं और बाकी सेटिंग्स कैमरा खुद ही सेट कर लेता है।

Programme Auto Mode - इस मोड में कैमरा खुद ही शट्टर स्पीड और अपर्चर को सेट कर लेता है।

Metering Mode - यह मोड एक ऐसा मीटर है जो आपके कैमरे पर पड़ने वाली लाइट को रीड करके कैलकुलेट करता है। इसके अलग-अलग मोड होते हैं जिससे आप यह डिसाइड कर सकते हैं कि फोटो पर लाइट का डिस्ट्रीब्यूशन कितना पड़ेगा। मैट्रिक्स मीटरिंग, सेंटर वेट और स्पॉट मीटरिंग यह अलग-अलग तरह के मीटरिंग मोड होते हैं।

Focus Mode - सिंगल ऑटोफोकस मोड और कंटीन्यूअस फोकस मोड। सिंगल ऑटोफोकस मोड का इस्तेमाल आप किसी सिंगल और नॉन मूविंग सब्जेक्ट के लिए करते हैं। जब आप मैन्युअल मोड पर फोटो खींच रहे हों तब इसका इस्तेमाल ज्यादा किया जाता है। अगर सब्जेक्ट मूव होता है तो आपको दोबारा फोकस करना पड़ता है। कंटीन्यूअस फोकस मोड का इस्तेमाल मूविंग सब्जेक्ट के लिए किया जाता है, यह कंटीन्युअस मूव करता रहता है और फोकस को मेन्टेन रखता है।

Focus Area - फोकस एरिया में आप कैमरा को कमांड देते हैं कि वो फ्रेम और सब्जेक्ट के किस एरिया में फोकस करेगा। मतलब यह कि फोकस कहाँ करेगा। स्टिल सब्जेक्ट्स के लिए आपका फोकस एरिया सिंगल पॉइंट होगा और मूविंग सब्जेक्ट के लिए आपको डायनामिक एरिया मोड यूज़ करना होगा। सिंगल पॉइंट में कैमरा सिर्फ उस पॉइंट के लेवल पर ही फोकस करता है। डाइनामिक के केस में मल्टीपल फोकस पॉइंट होते हैं जिसमें सब्जेक्ट के मूवमेंट के हिसाब से फोकस पॉइंट भी मूव करता रहता है।

White Balance : व्हाइट बैलेंस का मतलब है कि आपकी फोटोज में जो कुछ भी व्हाइट है वो पूरी तरह व्हाइट होना चाहिए। इसके बैलेंस को व्हाइट बैलेंस कहते हैं। आपके कमरे में व्हाइट बैलेंस हमेशा ऑटो पर ही रहना चाहिए। किसी-किसी सिचुएशन में आप इस सेटिंग को केल्विन में सेट करके अपने हिसाब से टेम्परेचर एडजस्ट कर सकते हैं।

तो दोस्तों इस अंक में इतना ही उम्मीद है आप लोगों को इस बार का आर्टिकल भी पसंद आया होगा, अगले अंक में हम इसी टॉपिक को और डिटेल में समझने की कोशिश करेंगे, अपना बहुत ख्याल रखें। बाए।

STUDIO NEWS
लखनऊ, शुक्रवार, 6 जून 2025 से 5 जुलाई 2025

कैमरा आंखों से अधिक देख लेता है, तो क्यों न इसका इस्तेमाल करें? -एडवर्ड वेस्टन

वेडिंग फोटोग्राफर्स के लिए बेंचमार्किंग : सीखें, तुलना करें, सुधार करें

आज के भीड़-भाड़ और प्रतियोगिता भरे वेडिंग फोटोग्राफी बाजार में, सिर्फ अच्छी फोटोग्राफी करना काफी नहीं है। हो सकता है आप खूबसूरत पल कैप्चर कर रहे हों, लेकिन अगर आपके बिज़नेस के तरीके पुराने हैं या इंडस्ट्री के स्टैंडर्ड्स के हिसाब से नहीं हैं, तो आप बिना जाने ही ग्राहक खो सकते हैं। यहीं पर बेंचमार्किंग एक असरदार हथियार बन जाता है।

साधारण भाषा में कहें तो बेंचमार्किंग का मतलब है - **अपने बिज़नेस के कामकाज की तुलना दूसरों से करना, जो या तो आपकी ही इंडस्ट्री में हों या फिर किसी और फील्ड में।** इसका मकसद ये जानना होता है कि दूसरे क्या अच्छा कर रहे हैं, और उन अच्छी चीज़ों से सीखकर अपने काम को और बेहतर बनाना। हालाँकि बेंचमार्किंग का इस्तेमाल ज़्यादातर बड़े बिज़नेस जैसे मैन्युफैक्चरिंग, आईटी या रिटेल में होता है, लेकिन ये तरीका फ्रीलांसर्स और क्रिएटिव प्रोफेशनल्स, खासकर वेडिंग फोटोग्राफर्स के लिए भी उतना ही फायदेमंद है।

बेंचमार्किंग क्या है?

बेंचमार्किंग का मतलब है - अपनी इंडस्ट्री में बेहतरीन या औसत प्रदर्शन करने वालों की पहचान करना, उनके काम करने के तरीकों को समझना, और फिर उनकी तुलना अपनी कार्यप्रणाली से करना। इसका मकसद दूसरों की आँख बंद करके नकल करना नहीं है, बल्कि यह समझना है कि आप किन जगहों पर पीछे हैं और कहाँ सुधार की गुंजाइश है। इससे आप अपने काम को बेहतर और ज़्यादा प्रोफेशनल बना सकते हैं।

वेडिंग फोटोग्राफर्स के लिए, बेंचमार्किंग में आप इन चीज़ों की तुलना कर सकते हैं:

- **आपके प्राइसिंग पैकेज -** अपने पैकेज की तुलना करें कि प्रतियोगी क्या ऑफर कर रहे हैं।
- **फोटो डिलीवरी की क्वालिटी और स्पीड -** क्या आप समय पर बेहतरीन क्वालिटी दे रहे हैं या सुधार की ज़रूरत है।
- **ग्राहक को जोड़ने और उनके अनुभव का तरीका -** क्लाइंट से आपका पहला संपर्क कैसा होता है और पूरी प्रोसेस में उन्हें कैसा अनुभव मिलता है।
- **मार्केटिंग की प्रभावशीलता -** क्या आपकी सोशल मीडिया, वेबसाइट या रिफरल्स से अच्छे लीड्स आ रहे हैं?
- **आपका उपकरण या एडिटिंग वर्कफ़्लो -** क्या आपका कैमरा, लेंस और एडिटिंग तरीका आज के समय के हिसाब से अपडेट है?

ऐसा नियमित रूप से करने से, आपको इस बात की साफ तस्वीर मिलती है कि आप कहाँ खड़े हैं, बाजार कैसे बदल रहा है, और प्रासंगिक और प्रतिस्पर्धी बने रहने के लिए आप क्या कर सकते हैं।

वेडिंग फोटोग्राफर्स के लिए बेंचमार्किंग क्यों ज़रूरी है?

चलिए ईमानदारी से बात करते हैं, ज़्यादातर वेडिंग फोटोग्राफर अपनी ही दुनिया में काम करते हैं। वो शूट पर ध्यान देते हैं, देर रात तक एडिटिंग करते हैं, और इंस्टाग्राम पर कुछ फोटो डाल देते हैं। लेकिन अगर आप ये नहीं देखते कि दूसरे क्या कर रहे हैं, तो आप पीछे छूट सकते हैं या कोई बड़ा ट्रेंड मिस कर सकते हैं।

बेंचमार्किंग क्यों ज़रूरी है :

ग्राहकों की उम्मीदें लगातार बदलती रहती हैं : आज के कपल्स Pinterest, Instagram, और YouTube जैसे प्लेटफॉर्म्स पर हाई-एंड, सिनेमैटिक वेडिंग कंटेंट देखते हैं। अगर आपका एडिटिंग स्टाइल, डिलीवरी के तरीके या कहानी कहने का अंदाज पीछे रह जाता है, तो चाहे आपकी फोटोग्राफी अच्छी ही क्यों न हो, ग्राहक कहीं और चले जा सकते हैं।

आप कमाई के नए तरीके खोज सकते हैं : बेंचमार्किंग से आपको पता चल सकता है कि दूसरे फोटोग्राफर रील्स, टीज़र वीडियो, फ्रेम किए हुए प्रिंट्स या माता-पिता के एल्बम (ऐसी चीजें जिनसे आपने कभी पैसे कमाने के बारे में नहीं सोचा) के लिए अतिरिक्त चार्ज कर रहे हैं। इससे आपकी कमाई पर तुरंत असर पड़ सकता है।

यह आपको कम कीमत या ज़्यादा कीमत रखने से बचाता है : बाजार को जानने से आप मुकाबले में बने रहते हैं। बहुत कम कीमत रखने से ग्राहक आपकी क्वालिटी पर सवाल उठा सकते हैं। वहीं, सही वजह के बिना बहुत ज़्यादा कीमत रखने से वे दूसरों के पास जा सकते हैं।

वेडिंग फोटोग्राफर के लिए बेंचमार्किंग के प्रकार

आइए बेंचमार्किंग के कुछ व्यावहारिक प्रकारों को देखें और वे फोटोग्राफरों पर कैसे लागू होते हैं:

1. प्रतिस्पर्धात्मक तुलना (Competitive Benchmarking)

इसका मतलब है अपने शहर या क्षेत्र के दूसरे फ़ोटोग्राफ़रों (आपके जैसे काम करने वालों) का अच्छे से अध्ययन करना। आपको ये देखना चाहिए:

- वे अपने पैकेज कैसे बनाते हैं और उसमें क्या-क्या शामिल होता है
- उनके द्वारा दिए जाने वाले एल्बम की गुणवत्ता और वे किन सप्लायर्स से काम करवाते हैं
- फ़ोटो डिलीवरी में कितना समय लेते हैं
- उनके क्लाइंट्स की राय और फीडबैक

उदाहरण : अगर दूसरे फ़ोटोग्राफ़र 15 दिनों में 300+ एडिटेड फ़ोटो देते हैं और आप 45 दिनों में 200 फ़ोटो देते हैं, तो ग्राहक इसे एक कमज़ोरी मान सकते हैं, जब तक आप उन्हें यह न समझा सकें कि आपकी क्वालिटी उनसे कहीं बेहतर है।

2. बेस्ट-इन-क्लास तुलना (Best-in-Class Benchmarking)

यह सिर्फ़ आपके शहर या आसपास के प्रतिस्पर्धियों तक सीमित नहीं है। इसमें आप उन फ़ोटोग्राफ़रों या इंडस्ट्री लीडर्स का अध्ययन करते हैं जो अपने क्षेत्र में टॉप पर हैं। हो सकता है आप तुरंत उनकी तरह काम न कर पाएं, लेकिन आप उनकी कुछ बेहतरीन आदतें और तरीक़े ज़रूर अपनाकर खुद को बेहतर बना सकते हैं।

उदाहरण : कुछ टॉप फ़ोटोग्राफ़र CRM (Customer Relationship Management) सिस्टम का इस्तेमाल करते हैं ताकि क्लाइंट को ऑटोमेटिक अपडेट मिलते रहें। अगर आप अभी भी मैनुअली WhatsApp पर मैसेज भेजते हैं, तो ये जानकारी आपको अपने काम में अपग्रेड लाने की प्रेरणा दे सकती है।

3. आंतरिक तुलना (Internal Benchmarking)

अगर आप एक स्टूडियो चलाते हैं जिसमें कई टीम मेंबर या फ्रीलांसर काम करते हैं, तो आंतरिक तुलना का मतलब है अपनी ही टीम के अलग-अलग प्रोजेक्ट्स या लोगों के प्रदर्शन की तुलना करना। जैसे: क्या कुछ एडिटर्स ज़्यादा तेज़ और बेहतर काम करते हैं? क्या कुछ शूट्स दूसरों की तुलना में ज़्यादा फ़ायदे में रहते हैं?

इस तरह की ट्रैकिंग से आपको मदद मिलती है: **एक जैसा क्वालिटी लेवल बनाए रखने में, समय और मेहनत की बर्बादी कम करने में और अपनी टीम को उत्साहित और फोकस्ड रखने में।**

बेंचमार्किंग करने के लिए कदम-दर-कदम मार्गदर्शिका

स्टेप 1: बेंचमार्क करने का क्षेत्र चुनें

एक ही बार में सब कुछ समझने की कोशिश न करें। शुरूआत में किसी एक खास चीज़ पर ध्यान दें। उदाहरण के लिए:

- **सोशल मीडिया पर लोगों का जुड़ाव :** लोग उनकी पोस्ट पर कितनी प्रतिक्रिया देते हैं।
- **शूट से एल्बम देने तक का समय :** उन्हें फोटो खींचने से लेकर एल्बम देने तक कितना समय लगता है।
- **पूछताछ से बुकिंग तक बदलने की दर :** कितने लोग उनसे पूछताछ करते हैं और उनमें से कितने बुकिंग करवाते हैं।
- **ग्राहक की प्रतिक्रिया के अंक :** ग्राहक उन्हें कितनी अच्छी रेटिंग देते हैं या उनके बारे में क्या कहते हैं।

स्टेप 2: जानकारी इकट्ठा करें (Data Collect करें)

अपने प्रतियोगियों को समझने के लिए इन तरीकों का इस्तेमाल करें:

- **उनकी वेबसाइट और इंस्टाग्राम प्रोफाइल:** उनकी तस्वीरें, कीमतें (अगर दी हों), 'हमारे बारे में' सेक्शन और उनकी ब्रांडिंग को देखें।
- **वेडिंग प्लेटफॉर्म WedMeGood या WeddingSutra :** इन वेबसाइट्स पर देखें कि वे खुद को कैसे दिखाते हैं।
- **ग्राहकों की समीक्षाएं और तारीफें :** गूगल, फेसबुक और वेडिंग प्लेटफॉर्म्स पर उनके बारे में ग्राहकों ने क्या लिखा है, उसे पढ़ें।
- **वेडिंग एक्सपो और ऑनलाइन वेबिनार :** अगर मौका मिले तो ऐसे आयोजनों में जाएं या ऑनलाइन वेबिनार देखें।
- **प्लानर्स या मेकअप आर्टिस्ट के साथ बातचीत :** इनसे जुड़कर आपको अंदर की बातें पता चल सकती हैं, क्योंकि वे कई फोटोग्राफरों के साथ काम करते हैं।

आपको हमेशा पक्के आंकड़े नहीं मिलेंगे, लेकिन आपको पैटर्न ज़रूर दिखने लगेंगे।

स्टेप 3: कमियाँ और पैटर्न को पहचानें

अपने आप से ये सवाल ज़रूर पूछें:

- वे ऐसा क्या कर रहे हैं जो मैं नहीं कर रहा हूँ?
- उनके ग्राहक सबसे ज़्यादा किस बात की तारीफ करते हैं?
- क्या वे ज़्यादा तेज़ हैं, ज़्यादा बातूनी हैं, या ज़्यादा स्टाइलिश हैं?

कई बार फर्क फोटो की संख्या में नहीं, बल्कि इस बात में होता है कि उन्होंने कपल को कैसा महसूस कराया।

स्टेप 4: योजना बनाएं और कार्य करें

अपने निष्कर्षों का उपयोग इन कामों के लिए करें:

- वर्कफ़्लो को आसान बनाकर फोटो डिलीवरी का समय कम करें
- अपने पैकेज में वैल्यू को साफ़ दिखाते हुए प्राइसिंग को एडजस्ट करें
- वेबसाइट को रीडिज़ाइन करें ताकि विज़िटर को बेहतर अनुभव मिले
- प्री-वेडिंग शूट्स या शॉर्ट टीज़र रील्स जैसी नई सर्विसेस देना शुरू करें

बेंचमार्किंग तभी काम आती है **जब आप उस पर अमल करें।** सिर्फ डाटा इकट्ठा करने से कुछ नहीं होगा, असली फ़ायदा तभी मिलेगा जब आप उसे अपने काम में लागू करेंगे।

अन्य इंडस्ट्रीज़ में बेंचमार्किंग (और हम इसके ज़रिए क्या सीख सकते हैं)

बेंचमार्किंग की ताकत को समझने के लिए इन उदाहरणों को देखिए:

- एयरलाइंस बेंचमार्किंग का इस्तेमाल करती हैं चेक-इन की स्पीड, कस्टमर सर्विस और बैगेज हैंडलिंग को बेहतर बनाने के लिए।
- हॉस्पिटल्स मरीजों की संतुष्टि और जल्दी डिस्चार्ज की प्रक्रिया में सुधार के लिए एक-दूसरे से तुलना करते हैं।
- ई-कॉमर्स कंपनियाँ कार्ट छोड़ने की दर (cart abandonment rate), डिलीवरी की स्पीड और ग्राहक को बनाए रखने की दर की तुलना करके अपने सिस्टम को बेहतर बनाती हैं।

इन सभी इंडस्ट्रीज़ में बेंचमार्किंग का मकसद है - **क्वालिटी बढ़ाना, मुनाफा बढ़ाना और ग्राहक अनुभव को बेहतर बनाना।** ठीक वैसे ही, वेडिंग फोटोग्राफर्स भी बेंचमार्किंग की मदद से अपने काम और बिज़नेस दोनों को अगले स्तर पर ले जा सकते हैं।

आम गलतियाँ जिन्हें करने से बचें

बेंचमार्किंग ज़रूर फायदेमंद है, लेकिन इन बातों का ध्यान रखें ताकि आप गलत दिशा में न चले जाएं:

- **बिलकुल अलग चीज़ों की तुलना ना करें:** किसी बड़े शहर के लग्ज़री फोटोग्राफर की तुलना छोटे शहर के बजट फोटोग्राफर से मत करें।
- **अंधा अनुसरण ना करें:** जो किसी और के लिए काम कर रहा है, ज़रूरी नहीं कि वही आपके स्टाइल या मार्केट में भी काम करे।
- **सिर्फ कीमत को बेंचमार्क ना बनाएं:** सिर्फ दाम देखकर दूसरों से अपनी तुलना न करें। यह भी देखें कि आप ग्राहकों को क्या कीमत दे रहे हैं और उन्हें कैसा अनुभव मिल रहा है।
- **एक बार करके भूल ना जाएं:** बेंचमार्किंग एक बार का काम नहीं, ये एक लगातार चलने वाली प्रक्रिया है।

सुझावः ग्राहकों को भी बेंचमार्किंग में शामिल करें

जब आप वेडिंग एल्बम डिलीवर कर दें, तो अपने ग्राहकों से उनके अनुभव के बारे में पूछें:

- उन्होंने आपसे क्या उम्मीदें रखी थीं?
- क्या कुछ और बेहतर हो सकता था?
- क्या उन्होंने आपको हायर करने से पहले किसी और को भी देखा या सोचा था?

यह फीडबैक आपके लिए एक रियल-टाइम बेंचमार्किंग का ज़रिया बन सकता है। और अगर जवाब सकारात्मक हो, तो आप इसे एक बढ़िया टेस्टिमोनियल (ग्राहक की सिफारिश) के रूप में भी इस्तेमाल कर सकते हैं।

निष्कर्षः सीखते रहो, आगे बढ़ते रहो

बेंचमार्किंग (Benchmarking) का मतलब किसी से जलन या तुलना करना नहीं है। इसका असली मतलब है - **जागरूक होकर खुद को बेहतर बनाना।** एक वेडिंग फोटोग्राफर के तौर पर आपका काम भले ही क्रिएटिव हो, लेकिन आपका **बिज़नेस एक प्लानिंग और समझदारी** वाला खेल है। बेंचमार्किंग से आप अपने काम को समय के साथ बेहतर बना सकते हैं, लगातार आगे बढ़ सकते हैं, और ऐसी पहचान बना सकते हैं जिस पर कपल्स भरोसा करें और दूसरों को भी सजेस्ट करें।

इस दौर में जहाँ ट्रेंड्स तेजी से बदलते हैं और क्लाइंट्स की उम्मीदें हर सीज़न के साथ बढ़ती हैं - वहाँ सबसे समझदार फोटोग्राफर वही होता है, जिसके पास सबसे महंगा कैमरा नहीं, बल्कि ये साफ़ समझ होती है कि **वो आज कहाँ है, और उसे कल कहाँ पहुँचना है।**

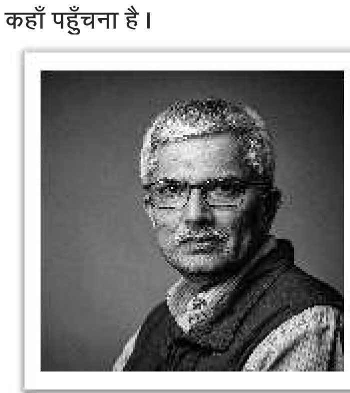

विमल परमार
Independent Marketing Consultant
Digital Print Evangelist
@vimalparmar

सोनी वर्ल्ड फोटोग्राफी एवार्ड - 2025

Photographer of the Year
"The Anthropocene Illusion" *by Zed Nelson*

Open Photographer of the Year: Motion Category
"Tbourida La Chute" *by Olivier Unia*

Professional Category Winner: Architecture & Design
"The Tokyo Toilet Project" *by Ulana Switucha*

Professional Category Winner: Creative
"Rhi-Entry" *by Rhiannon Adam*

Professional Category Winner: Documentary Projects
"Divided Youth of Belfast" *by Toby Binder*

Professional Category Winner: Environment
"Alquimia Textil" *by Nicolás Garrido Huguet*

Professional Category Winner: Landscape
"The Strata of Time" *by Seido Kino*

Professional Category Winner: Perspectives
"The Journey Home From School"
by Laura Pannack

Professional Category Winner: Portraiture
"M'kumba" *by Gui Christ*

Professional Category Winner: Sport
"Shred the Patriarchy" *by Chantal Pinzi*

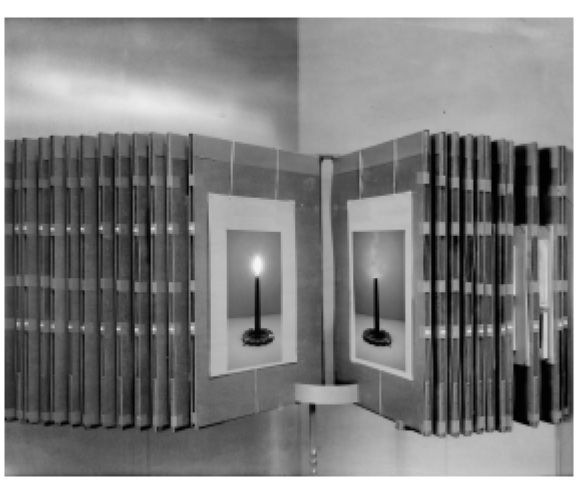

Professional Category Winner: Still Life
"Still Waiting" *by Peter Franck*

Student Photographer of the Year
"The Last Day We Saw the Mountains and the Sea" *by Micaela Valdivia Medina*

Youth Photographer of the Year
"Eclipse of Motion" *by Daniel Dian-Ji Wu*

स्टूडियो न्यूज

फोटोग्राफर साथियो, आप अपने जिले में होने वाली फोटोग्राफी वर्कशॉप, संगोष्ठी या फोटोग्राफी से सम्बन्धित अन्य किसी कार्यक्रम का विवरण एवं फोटो "स्टूडियो न्यूज" में छपवाने के लिये, **mailtostudionews@gmail.com** पर मेल करें।

STUDIO NEWS
लखनऊ, शुक्रवार, 6 जून 2025 से 5 जुलाई 2025

स्थिर क्षण की कला है फोटोग्राफी...संवेदनाओं को बटोर कर फ्रेम के भीतर ही समेट लेने की कला है फोटोग्राफी -अनजान

फोटोग्राफर की नजर से केदारनाथ यात्रा

मिथिलेश उपाध्याय

जब दुनिया ने आपके लिए कुछ तय कर दिया है, तो आप इसके बारे में कुछ नहीं कर सकते। पहले तो मेरा केदारनाथ जाने का कोई मन नहीं था। लेकिन जब दिल आज़ादी से घूमता है और दिमाग भागने की तलाश करता है, तो मुझे लगता है कि सब कुछ अपने आप ठीक हो जाता है। जब जेब में कम पैसे हों, लेकिन रोमांच के लिए दृढ़ इच्छाशक्ति हो, और महादेव का बुलावा आ जाये तो हिमालय से बेहतर कोई जगह नहीं हो सकती। अगर आप एक फोटोग्राफर या ब्लागर हैं तो उत्तराखण्ड आपके लिए सही जगह है।

केदारनाथ की यात्रा एक कठिन लेकिन श्रद्धा और अनुभव से भरी यात्रा है। यह चार धामों में से एक है और भारत में भगवान शिव के 12 ज्योतिर्लिंगों में से एक है। केदारनाथ धाम की यात्रा उत्तराखंड की पवित्र यात्रा के रूप में जानी जाती है।

केदारनाथ, भगवान शिव का घर- एक दूरस्थ हिंदू तीर्थस्थल, समुद्र तल से 11,750 फीट ऊपर और पहाड़ों की गहराई में स्थित, शांति और रोमांच के लिए एक आदर्श संयोजन है।

केदारनाथ यात्रा में शामिल होने के लिए, आपको पहले सोनप्रयाग या गौरीकुंड जैसे बेस कैंप तक पहुंचना होगा। वहाँ से, आपको 16 किलोमीटर का कठिन ट्रेक करना होगा। ट्रेक गौरीकुंड से शुरू होता है और मंदाकिनी नदी के किनारे से होकर जाता है। यह ट्रेक लगभग 10-12 घंटे में पूरा होता है।

केदारनाथ मंदिर तक पहुंचने का रास्ता पैदल, पालकी, पिट्ठू या हेलिकॉप्टर से है। यात्रा में थकान, मौसम और चुनौतीपूर्ण रास्ते शामिल हो सकते हैं, लेकिन यह एक अविस्मरणीय अनुभव है।

मेरे साथ दो लोग जिसमें निलेश जी एवं मंडलेश्वर जी हमारे साथ यात्रा के लिए तैयार थे। केदारनाथ का ट्रेकिंग रूट हमारे लिए एक सरप्राइज था। मंदाकिनी घाटी का ट्रैक हरियाली से भरा हुआ था। हमने अपने रास्ते में कई खूबसूरत झरने पार किए। रामबाड़ा के बाद जैसे-जैसे हम ऊपर चढ़ते गए, सड़क और भी खड़ी होती गई और ट्रेकिंग भी कठिन होती गई। केदारनाथ मंदिर के पास बेस कैंप तक पहुँचने में हमें लगभग 12-13 घंटे लगे।

पूरे रास्ते Landscape फोटोग्राफी करने का आनंद ही कुछ और था, जो कुछ हमारे आंखों ने देखा वो सब कुछ कैमरे में कैद करने का प्रयास किया, लेकिन बहुत कुछ छूट गया इसका सबसे बड़ा कारण थकान और मौसम था, केदारनाथ यात्रा का मौसम कब बदल जाय इसका कोई भरोसा नहीं है, ट्रैकिंग के दौरान 2-3 घंटे बरसात में ही चले गये।

रात 11 बजे हम सभी बेस कैम्प पहुंचकर GMVN के होटल में रुके।

प्रातः काल स्नान करने के उपरांत हम सभी दर्शन का टोकन लेने के लिए निकल गये, दर्शन का टोकन शाम 3 से 4 बजे का था, समय होने के कारण हम सभी शंकराचार्य समाधि स्थल और केदारनाथ से 1 किलोमीटर ऊपर बाबा काल भैरव के मंदिर में गये। शाम के 6 बजे बाबा केदारनाथ का दर्शन प्राप्त हुआ, रात की आरती देखने के पश्चात हम सभी नम आँखों से सोनप्रयाग के लिए निकल पड़े, मन मे सिर्फ एक ही सवाल था की बाबा अब कब बुलाओगे?

मेरे लिए इस यात्रा का सबसे खास पल मंदिर परिसर में प्रवेश करना था। आध्यात्मिक आनंद और संतुष्टि के आँसू बह रहे थे, जैसे कोई बच्चा अपने निर्माता के साथ एक हो रहा हो। मंदिर में नज़रें गड़ाने के 10 मिनट और वापस आते समय फिर से माथा टेकने के कुछ मिनट ने पूरी तीर्थयात्रा को सार्थक बना दिया।

अगर आप फोटोग्राफर हैं तो लाईट वेट कैमरा (मिररलेस) या कोई अच्छा मोबाइल अपने पास जरूर रखें। ये मै इसलिए कह रहा हूँ क्यों की आधी ट्रेकिंग के बाद आपको कैमरा भी भारी महसूस होगा। प्राकृतिक दृश्यों को कैद करने के लिए अपने साथ WIDE LENS जरूर रखें। बारिश से कैमरा को बचाने के लिए वाटरप्रूफ बैग और छाता साथ रखें।

अंत में एक विशेष अनुरोध पहाड़ को गंदा ना करें, कूड़े को कूड़ेदान में ही डालें।

यात्रा के लिए महत्वपूर्ण सामान-

गरम कपड़े, जैकेट (-10 डिग्री तक सहन की क्षमता हो), टोपी, ग्लबज, रेनकोट, धूप चश्मा, पावरबैंक, टार्च और कुछ दवाईयां (सर्दी, बुखार, उल्टी, पेट दर्द) ORS, कुछ सुखे मेवे और पानी का बोतल अपने साथ जरूर रखें।

जय श्री केदार

RNI No. : UPHIN/2017/74695, **स्वामी, प्रकाशक एवं मुद्रक** - सुरेंदर सिंह बिष्ट, शॉप नं. 3, शान्ति मार्केट, लक्ष्मणपुरी गेट, फैजाबाद रोड, इन्दिरा नगर, लखनऊ - 226016 द्वारा ज्ञान प्रिंटर्स, 207, 208 लेखराज मार्केट-2, इन्दिरा नगर, लखनऊ-226016 से प्रकाशित।
सम्पादक - सुरेंदर सिंह बिष्ट, फोन - 9335915600, 0522-4108575, ई-मेलः mailtostudionews@gmail.com, वेबसाइट : www.studionews.co.in